ज्ञानविविधा

कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की सहकर्मी-समीक्षित, मूल्यांकित, त्रैमासिक शोध पत्रिका

	आलेख/समीक्षा/शोधालेख		
1.	भारतीय सामाजिक व्यवस्था के मूलतत्व	श्री विनोद कुमार झा	01-04
2.	डिजिटल युग में सोशल मीडिया : समाज और संस्कृति को परिवर्तनकारी आकार देता हुआ	डॉ. सेनापति नायक/डॉ. संबित कुमार पाढ़ी/डॉ. राजेश्वरी गर्ग	05-11
3.	मध्य एशिया और अफगानिस्तान में न्यू ग्रेट गेम: प्रमुख शक्तियों का भू-राजनीतिक प्रभाव	राजकुमार जांगिड़	12-18
4.	भारतीय सिनेमा, साहित्य एवं संस्कृति और आधुनिक स्त्री	डॉ. दीपक कुमार मिश्र	19-23
5.	भारतीय नाट्य साहित्य में रंग परंपरा : एक विश्लेष्णात्मक अध्ययन	डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा	24-29
6.	आंचलिकता के परिप्रेक्ष्य में आधा गांव उपन्यास का विश्लेषणात्मक अध्ययन	Dr. BINDU MG	30-32
7.	असम में उल्फा आंतकवाद : 'देश भीतर देश' उपन्यास के विशेष संदर्भ में	शेख महंमद मुजाहेद शेख अहेमद	33-37
8.	अतीत का पुनरुद्धार :आदिवासी पारिस्थितिकी ज्ञान और पर्यावरणीय स्थिरता का इतिहास	अमरजीत	38-47
9.	Green Journeys, Blue Planet: Reconnecting Humanity to Habitat through Travel Literature	Sahdev Jakhar	48-57
10.	राजस्थानी लोकगीतों में सांस्कृतिक पहचान : क्षेत्रीय विविधताओं का अध्ययन	मनोज कुमार	58-65
11.	The Path of Non-Attachment: Exploring Advaitic Themes in Arun Joshi's The Strange Case of Billy Biswas	Tamanna	66-73

12.	विश्व पटल पर हिंदी साहित्य: सांस्कृतिक पुल और नवाचार की कहानी	गौरी शंकर	74-79
13.	रुमानी साहित्य में प्रेम का विमर्श : पारंपरिकता से आधुनिकता तक	धरमीत सिंह	80-87
14.	सतत विकास की जड़ें : वैश्विक समाजों का पर्यावरणीय इतिहास	गुरपाल सिंह	88-94
15.	कतेक रास बात : काव्य संकलनक समीक्षात्मक अवलोकन	डॉ. राधा कुमारी	95-100
16.	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में ग्रंथ लिपि और इसकी ऐतिहासिक प्राचीनता	डॉ. जयशंकर शुक्ल	101-106
17.	हिंदी कविता में विज्ञान दर्शन	निरुपमा तिवारी	107-109
18.	उषा राजे सक्सेना की कहानियों में संवेदना के विविधपक्ष ('प्रवास में' कहानी संग्रह के विशेष संदर्भ में)	डॉ. सुरिन्द्रपाल कौर	110-115
19.	The Intersection of Philosophy and Acculturation: Colonial Influences on Indian Thought	Shweta Kumari Das	116-126
20.	वाल्मीकि के श्रीराम: अतीत और वर्तमान के आलोक में	डॉ. नवल पाल	127-133
21.	हिंदी सिनेमा और साहित्य	डॉ. विश्वनाथ चंद्रकांत पटेकर	134-137
22.	भ्रष्टाचार और यशपाल	डॉ. ऋषिकेश श्रीवास्तव	138-141